राकेश शर्मा, सचिव, उत्तराखण्ड शासन सेवा में,

निदेशक, संस्कृति निदेशालय,

उत्तराखण्ड देहरादून।

संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कल्याण अनुभाग

देहरादूनः दिनांक 💇 जनवरी, 2009

विषयः— गढ़वाली—हिन्दी—अंग्रेजी शब्दकोश निर्माण हेतु आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।
महोदय

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या—241/सं0नि0उ0/चार—58/2008—09 दिनांक 22 अप्रैल, 2007 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि गढ़वाली—हिन्दी—अंग्रेजी शब्दकोश निर्माण हेतु रूपये 10.00 लाख (रू० दस लाख मात्र) मात्र की धनराशि की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए रू० 5.00 लाख (रू० पांच लाख मात्र) की धनराशि के व्यय की स्वीकृति प्रदान किये जाने पर श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:—

- 2— उक्त धनराशि शासनादेश संख्या—566/VI-I/2008—2(27)/2007 दिनांक 21 नवम्बर, 2008 के द्वारा व्यय हेतु स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष ही व्यय की जायेगी तथा यह अतिरिक्त स्वीकृति नहीं होगी। उक्त के कम में शासनादेश दिनांक—21—11—08 के प्रस्तर—6 का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाायेगा
- 3- उक्त शब्दकोश के निर्माण में गढ़वाल विश्वविद्यालय विशेषज्ञों की सेवा ली जायेगी।
- 4- प्रदत्त धनराशि का Audit का दायित्व अखिल गढ़वाल सभा, देहरादून का होगा। जो Chartered Accountant से लेखा परीक्षा सम्पन्न करायेगें। तथा लेखा परीक्षा रिपोर्ट शासन

को उपलब्ध करायी जायेगी

- 5- गढ़वाली मुहावरे एवं लोकोक्तियों का भी संकलन इस प्रस्ताव का हिस्सा बनायी जायेगी।
- 6- उक्त कार्य एक वर्ष के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जायेगा।
- 7- गढ़वाल विश्वविद्यालय के भाषाविज्ञों की समिति से (Linguist) इस कार्य का समुचित

पर्यवेक्षण एवं समीक्षा करायी जायेगी

शब्दकीय के निमीण में गुणवत्ता एवं प्रमणिकता तथा स्पष्टता का विशेष ध्यान ख्वा -8

नायेगा

कि उपलब्ध करायी जायेगी ामिनी त्रीकुरांप्र तीए कि एकिञ्चाष्ट किनाप्रपष्ट के नाष्ट्राकर किनाप्रभाव के एकिञ्चाष्ट तिवारित्रप

ार्गित क गमिने निकुभंभ प्रकिथिनिम् कि एकिञ्चार नाष्टीकिस

। रिष्टारि कि क्रिय प्रमप्त प्रथा कि पन्न वाधिक उपित । अभिष्य क्रिय हम प्रामप । एपिकिपर

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2008-09 उपयुक्त अनुदान संख्या-11 के

31, दिसम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमारि से जारी किए जा रहें 051 8005 \((E)−17561 \((P)\) \(\text{TQ}\) प्राथ्या =597 (पि) \(\text{12}\) \(\text{12}\) निदेशालय-00-42 अन्य व्यय के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा

िविति (मिष्ट ष्टिकाप्र) भवदीय

-: htt हुई डिाम्प्रक कप्रदम्भ वर्ग गिनमूर कि तथिनिमिनि पिनितिप्र VI-IV / VI-I / 2008—2(27) / 2007

कुलपति, गढ्वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड दहरादुन। -2 महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून। --

थिनिकिक के कि किम्प्यम् गाम कि नमाष्ट्र इपछाप्रक्रम (हिमप्यम् गाम किनीम किनी $-\varepsilon$

शिनिकिक्ष के कि हिम of कि निभाष्ट उण्छाप्रक्रि , हिम क्रीक्रिप्रे of कि किनि । हुई नारू एकी तृषीर्

। न्राप्रेडर्न ,रिाकिधीयिक क्रिरीइ 1 हुई नारू धकी हबिर

वजर राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड। -9

नियोजन अकोष्यः अत्याता-३ रिनामिन अकोष्यः अत्यातानः -1

एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड सचिवालय, दहरादुन। -8

गाद काइल। -6

अनुसचिव।

अाज्ञा भू